



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 84]

No. 84]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 27, 2005/ज्येष्ठ 6, 1927
NEW DELHI, FRIDAY, MAY 27, 2005/JYAISTHA 6, 1927

दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मई, 2005

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं. 1 सीए (7)/83/2005.— चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम, 1988 का और संशोधन करने के लिए विनियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया की परिषद् बनाने के लिए प्रस्तावित करती है, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम, 1949 (1949 का 38) की धारा 30 की उपधारा (3) द्वारा यथाअपेक्षित, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप विनियमों पर उस तारीख से, जिससे राजपत्र की प्रतियां, जिसमें प्रारूप विनियम प्रकाशित हुआ है, जनता के लिए उपलब्ध करा दी गई है, पैंतालिस दिनों की कालावधि को या उसके समाप्त होने के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप विनियमों की बाबत कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति उसे परिषद् के विचारार्थ इस प्रकार ऊपर उल्लिखित अवधि के भीतर सचिव, दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया, इन्द्रप्रस्थ मार्ग, नई दिल्ली-110002 को भेज सकेगा।

उक्त प्रारूप विनियमों की बाबत किसी व्यक्ति से इस प्रकार उल्लिखित कालावधि के समाप्त होने के पश्चात् प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति या सुझाव पर परिषद् द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।

प्रारूप विनियम

- इन विनियमों को चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स (संशोधन) विनियम, 2005 कहा जाएगा।
- चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियमों 1988 में ;
 - विनियमों 25ख (2) में, उप विनियम (2) के पश्चात् और स्पष्टीकरण के पूर्व, निम्नलिखित परंतुक रखा जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु यह और कि, ऐसा अभ्यर्थी, जिसने व्यावसायिक शिक्षा (परीक्षा-1) में अपने पांच निरंतर प्रयासों को पूरा कर लिया है, तारीख 31 दिसंबर, 2005 को या उससे पूर्व आयोजित किन्हीं परीक्षाओं में एक अतिरिक्त प्रयास के लिए उक्त परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होगा।”
 - विनियम 28ख में, उप-विनियम (3) के पश्चात् और स्पष्टीकरण के पूर्व, निम्नलिखित परंतुक रखा जाएगा, अर्थात्

“परंतु यह और कि, ऐसा अभ्यर्थी, जिसने व्यावसायिक शिक्षा (परीक्षा-II) में अपने पांच निरंतर प्रयासों को पूरा कर लिया है, तारीख 31 दिसंबर, 2005 को या उससे पूर्व आयोजित किन्हीं परीक्षाओं में एक अतिरिक्त प्रयास के लिए उक्त परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होगा।”

डॉ. अशोक हल्दिया, सचिव

[विज्ञापन/III/IV/104/2005/असा.]

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th May, 2005

(Chartered Accountants)

No. 1-CA(7)/83/2005.— The following draft of certain regulations further to amend the Chartered Accountants Regulations, 1988, which the Council of the Institute of Chartered Accountants of India proposes to make, is hereby published, as required by sub-section (3) of section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949) for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of period of forty-five days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

Any person desiring to make any objection or suggestion in respect of the said draft regulations, may forward the same for consideration by the Council of the Institute within the period so specified above to the Secretary, The Institute of Chartered Accountants of India, Indraprastha Marg, New Delhi – 110 002.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the said Council.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Chartered Accountants (Amendment) Regulations, 2005.

2. In the Chartered Accountants Regulations, 1988, –

(iii) In regulation 25B (2), after sub-regulation (2) and before the explanation, the following proviso shall be inserted, namely: –

“Provided that a candidate, who has exhausted his five consecutive attempts in the Professional Education (Examination - I), shall be eligible to be admitted to the said examination for an additional attempt in any of the examinations held on or before the 31st December, 2005.”

(iv) In regulation 28B, after sub-regulation (3) and before the explanation, the following proviso shall be inserted, namely: –

“Provided that a candidate, who has exhausted his five consecutive attempts in the Professional Education (Examination - II), shall be eligible to be admitted to the said examination for an additional attempt in any of the examinations held on or before the 31st December, 2005.”

Dr. ASHOK HALDIA, Secy.

[ADVT/III/IV/104/2005/Ext.]